।।सांवरिया आपा होली खेला ज़ी।।

(स्वर- प्रकाश ओडेका)
(तर्ज: बाई रा रा बीरा……)
सांवरिया आपा होली खेला जी, फागणियो आय गयो सांवरिया गिरधारी ।। टेर ।।
साँवरिया थाने, रंग म रंग देस्याँ जी,
थारे भर-भर कर मारां म्हें रंग की पिचकारी,
फागणियों….
ढ़पली पर थाने नाच नचास्याँ जी,
पग घुंघरु बाँध देवां सांवरिया गिरधारी,
फागणियों….
थारी बंशी बाजे राधिका नाचे रे,
थारा भक्तां भी नाचे दे-देकर क ताली,
फागणियों….
बंशी पर थाने भजन सुनास्याँ जी,
‘बनवारी’ चरणां पर मैं जाऊँ बलिहारी,
फागणियों….

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com